न्यूज डायरी

भड़का ड्रैगन, बोला– चीन का विकल्प नहीं बन सकता भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चीन। चीन में काम कर रहीं कई कंपनियां अब भारत में मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट लगाने का विचार कर रही हैं। इस कारण ड्रैगन ने जमकर भारत पर अपनी भड़ास निकाली है। चीन सरकार का मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने भारत की कोशिशों पर चिंता व्यक्त की और कहा कि वह कभी भी चीन का विकल्प नहीं बन सकेगा। विदेशी कंपनियों के देश छोड़ने पर भड़का ड्रैगन, बोला– चीन का विकल्प नहीं बन सकता भारतकोरोना वायरस लॉकडाउन के कारण दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं को तगड़ी चोट पहुंची है। वहीं कई बड़े देशों में चीन सरकार के प्रति लोगों का गुस्सा भी बढ़ता जा रहा है। इस ग्लोबल महामारी को लेकर चीन के रवैये से नाराज अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस समेत कई देश अपनी मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों को वहां से निकालने की सोच रहे हैं। इनमें से कई देश चीन के विकल्प के रूप में भारत को देख रहे हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई पेशेवर शेड गेसपर्ड समुद्र में लापता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लास एंजिलिस। वर्ल्ड रेस्लिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) के पूर्व पेशेवर शेड गेसपर्ड पिछले सप्ताहांत अपने बेटे के साथ तैराकी करते हुए दक्षिण कैलीफोर्निया के समुद्र में बहने के बाद अब भी लापता हैं।गेसपर्ड के 10 साल के बेटे आरयेह और कई अन्य तैराकों को समुद्र से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। रविवार दोपहर लास एंजिलिस के वेनिस बीच पर ये तेज ज्वार में फंस गए थे।लास एंजिलिस पुलिस ने बयान में कहा, ''जीवन रक्षकों ने जब अंतिम बार गेसपर्ड को देखा तो एक लहर उनसे टकराई थी जो उन्हें बहाकर समुद्र में ले गई।''पुलिस ने बताया कि 39 साल के गेसपर्ड को जब अंतिम बार देखा गया तो वह तट से 50 यार्ड (46 मीटर) की दूरी पर थे।

कोरोना संकट के बीच चीन ने बुलाया संसद का विशेष सत्र

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। कोरोना वायरस महामारी से जूझ रहे चीन में अगले सप्ताह में संसद के नए सत्र का आगाज होगा। इस दौरान कम्यूनिस्ट पार्टी नए नागरिक संहिता को सदन में पेश करेगी। चीन की रबड़ स्टैंप विधायिका ने शायद ही कभी पार्टी द्वारा पेश किए गए बिल का विरोध किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह बिल भी बिना किसी विरोध के पारित हो जाएगा। अगर यह बिल संसद से पारित हो जाता है तो चीन में शादी से लेकर बच्चों के गोद लेने तक के कई पुराने कानून खत्म हो जाएंगे। उनकी जगह नए नागरिक संहिता को अपनाया जाएगा। इस संहिता के लागू होने से तलाक, यौन उत्पीड़न, अंग दान और गोपनीयता संबंधी कई पुराने कानून खत्म हो जाएंगे और उनकी जगह कठोर कानून अस्तित्व में आएंगे। चीन के नए नागरिक संहिता के मसौदे में कहा गया है कि तलाक मांगने वाले सभी जोड़ों को एक महीने के लिए अपने फैसले पर विचार–विमर्श करना चाहिए।

ट्रंप की चेतावनी का असर, डब्ल्यूएचओ के भूमिका की होगी जांच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तीखे तेवर के बाद कोरोना वायरस महामारी से निपटने में विश्व स्वास्थ्य संगठन के भूमिका की अब जांच होगी। डब्ल्यूएचओ के सदस्य देश इस वैश्विक संकट के प्रति संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी की जवाबी कार्रवाई की स्वतंत्र जांच पर मंगलवार को सहमत हो गए। डब्ल्यूएचओ की वार्षिक सभा में हिस्सा ले रहे देशों ने इस संकट के प्रति संयुक्त जवाबी कार्रवाई की अपील करते हुए आम सहमति से एक प्रस्ताव पारित किया। यूरोपीय यूनियन द्वारा पेश प्रस्ताव में इस महामारी के प्रति अंतरराष्ट्रीय जवाबी कार्रवाई के निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं समग्र मूल्यांकन की मांग की गई है। दुनियाभर में अबतक इस महामारी से 48 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं जबकि 318,000 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि जांच में यह शामिल हो कि कोरोना वायरस महामारी के संबंध में डब्ल्यूएचओ ने कब–कब, कौन कौन से कदम उठाये। अमेरिका ने इस आम सहमति से अपने आप को अलग नहीं किया।

पाकिस्तान में ट्रेंड हो रहा बायकॉट यूएई भूल गए अरबों डॉलर का कर्ज है

बायकॉट

तुर्की और यूएई के बीच बढ़ी टेंशन में तुर्की के साथ खड़े हैं कई पाकिस्तानी

■मोदी को यूएई का सर्वोच्च्य नागरिक सम्मान मिलने से भी खुन्नस में हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में ट्विटर यूजर्स को अब यूनाइटेड अरब एमिरेट्स का बायकॉट करना है। बुधवार सुबह से ही पाकिस्तान में #BoycottUAE टॉप पर ट्रेंड कर रहा है। इस ट्रेंड के पीछे की वजह बेहद दिलचस्प है। कुछ पाकिस्तानी यूजर्स यूएई से इसलिए खफा हैं कि उसने तुर्की की लीबिया में कार्रवाई की निंदा की है। तुर्की और यूएई के रिश्ते हाल के दिनों में बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। वहीं, पाकिस्तान के लिए लगातार तुर्की अपना सपोर्ट देता रहा है। इसलिए कई पाकिस्तानी तुर्की को अपना असली दोस्त बता रहे हैं। यूएई से खुन्नस की एक वजह ये भी है कि उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सर्वोच्च सम्मान दिया था। कई यूजर्स इसे लेकर भी यूएई के बायकॉट की मांग उठा रहे हैं।

इतनी नफरत लेकर कहां जाएंगे पाकिस्तानी: इस हैशटैग पर किए गए कुछ ट्वीट्स की भाषा ऐसी है जिसकी सभ्य्य समाज में कोई जगह नहीं है। ये सब शुरू हुआ अली केसकिन नाम के एक वेरिफाइड अकाउंट की अपील पर। उसने 19 मई को रात 9 बजे के लगभग ट्वीट किया, यूएई अब तुर्की का दुश्मन है। मैं अपने सभी मुस्लिम दोस्तों से यूएई पर प्रतिबंध लगाने की अपील करता हूं। इसके साथ उसने #BoycottUAE हैशटैग का यूज किया। अगले ट्वीट में उसने कहा कि यूएई कश्मीर संकट पर चुप रह गया और भारत का समर्थन करता है। इसके बाद इस हैशटैग के साथ दनादन ट्वीट्स होने लगे। किसी ने यूएई को तुर्की की वजह से लताड़ा तो कोई पीएम मोदी को बीच में ले गया। कश्मीर के बहाने भी यूएई पर खूब वार किए जा रहे हैं।

भूल गए कितना कर्ज है पाकिस्तानपर पाकिस्तान उन देशों में से है जो खैरात पर निर्भर है। खाड़ी के देश उसे अच्छी–खासी मदद भेजते हैं। चीन, अमेरिका और इंटरनैशनल मॉनेटरी फंड के आगे पाकिस्तान हाथ फैलाए रहता है। यूएई पर पाकिस्तान की निर्भरता कम नहीं है। यूएई में करीब 15 लाख पाकिस्तानी रहते हैं यानी भारत के बाद यूएई में सबसे ज्यादा प्रवासी पाकिस्तान से ही आते हैं। यूएई लगातार पाकिस्तान को आर्थिक मदद पहुंचाता रहा है। साल 2019 में पाकिस्तान को यूएई से 3 बिलियन डॉलर की रकम मिली। वहीं 3.2 बिलियन डॉलर आगे देने पर सहमति बनी। कोरोना वायरस संकट के समय भी यूएई ने आर्थिक और मेडिकल सहायता पाकिस्तान को उपलब्ध कराई। मगर यह हैशटैग चला रहे पाकिस्तानी यूजर्स शायद यह सब भूल गए हैं।

जूम वीडियो कॉल के जरिये जज ने सुनाई मौत की सजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सिंगापुर। कोरोना काल में कोर्ट कचहरी की सुनवाई भी अब ऑनलाइन और टेलिफोनिक हो गई है। सिंगापुर में मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में एक व्यक्ति को जूम कॉल के जरिये मौत की सजा सुनाई गई है।

संभवतः यह पहला मामला है जब किसी को जूम विडियो कॉल के जरिये मौत की सजा सुनाई गई हो। सिंगापुर निवासी पी गेनासन (37) को 2011 के हेरोइन डील मामले में सजा सुनाई गई है। फैसला शुक्रवार को सुनाया गया है।

बाकी देशों की तरह सिंगापुर के कोर्ट भी बंद हैं और कार्यवाही वीडियो कॉल के जरिये हो रही है।

सिंगापुर के सुप्रीम कोर्ट के प्रवक्ता ने बताया, लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केस से संबंधित लोगों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा दी गई। सिंगापुर में यह पहला आपराधिक मामला है जिसमें इस तरह से सुनवाई हुई है।

गेनासन के वकील पीटर फर्नांडो ने कहा कि मेरे मुवक्किल को जूम कॉल के जरिये जज ने सजा सुनाई और वह आगे इस मामले में अपील दाखिल कर सकते हैं। वहीं, देश की दक्षिणपंथी इकाई ने जूम के जरिये मौत की सजा सुनाने की आलोचना की।

दोबारा राष्ट्रपति बनीं त्साई इंग–वेन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइपे। चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच ताइवानी राष्ट्रपति त्साई इंग–वेन ने रिकार्ड रेटिंग के साथ अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत की है। इस दौरान उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ सह अस्तित्व के आधार पर बातचीत की पेशकश भी की है। बता दें कि चीन हमेशा से ताइवान को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान हमेशा से अपने आपको एक अलग देश बताता है। ताइपे में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के मौके पर आयोजित एक परेड के दौरान 63 साल की राष्ट्रपति त्साई इंग–वेन ने कहा कि वह चीन के साथ बातचीत कर सकती हैं लेकिन एक देश–दो सिस्टम के मुद्दे पर नहीं।

भारत और नेपाल के बीच सीमा पर बढ़ रहा तनाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

भारत की ओर से नाकाबंदी, मधेसियों के साथ भेदभाव

काठमांडू। रोटी–बेटी के साथ वाले नेपाल में अचानक से भारत विरोध की आंच तेज हो गई है। लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद और गहराता जा रहा है। नेपाल का नया नक्शा जारी करने के ऐलान के बाद नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारत पर सिंहमेव जयते का तंज कसा। यही नहीं नेपाल इन भारतीय इलाकों में अपनी हथियार बंद उपस्थिति भी बढ़ा रहा है।

अंग्रेजों का गुस्सा भारत पर निकाल रहे नेपाली: भारत और नेपाल के वर्तमान विवाद की शुरुआत 1816 में हुई थी। तब ब्रिटिश हुकुमत के हाथों नेपाल के राजा कई इलाके हार गए थे। इसके बाद सुगौली की संधि हुई जिसमें उन्हें सिक्किम, नैनीताल, दार्जिलिंग, लिपुलेख, कालापानी को भारत को देना पड़ा था। हालांकि अंग्रेजों ने बाद में कुछ हिस्सा लौटा दिया।

अंग्रेजों ने उन्हें इसका इनाम दिया और पूरा तराई का इलाका नेपाल को दे दिया। तराई के इलाके में भारतीय मूल के लोग रहते थे लेकिन अंग्रेजों ने जनसंख्या के विपरीत पूरा इलाका नेपाल को दे दिया। नेपाल मामलों पर नजर रखने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वर्ष 1816 के जंग में हार की कसक नेपाल के गोरखा समुदाय में आज भी बना हुआ है। इसी का फायदा वहां के राजनीतिक दल उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच जारी इस विवाद में एक दिक्कत यह भी है कि नेपाल कह रहा है कि सुगौली की संधि के दस्तावेज गायब हो गए हैं।

वर्ष 2015 में नेपाल के संविधान में बदलाव करने पर भारत और नेपाल के बीच रिश्ते और ज्यादा तल्ख हो गए। ऐसे आरोप लगे कि नेपाल ने मधेसियों के साथ नए संविधान में भेदभाव किया। नेपाल में मधेसी भारतीय मूल के लोग हैं और इनकी जड़ें बिहार और यूपी से जुड़ी हुई हैं।

बंदूकधारियों के अलग–अलग हमलों में 11 लोगों की मौत: अफगानिस्तानी अधिकारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। युद्ध पीड़ित अफगानिस्तान में बंदूकधारियों के दो अलग–अलग हमलों में 11 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता तारिक अरियन ने बताया कि पहला हमला मंगलवार देर रात को काबुल के उत्तर में परवान प्रांत की मस्जिद में हुआ। बंदूकधारियों के इस हमले में आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि इस बीच, बंदूकधारियों ने मंगलवार देर रात को पूर्वी खोस्त प्रांत में मस्जिद से लौट रहे एक परिवार पर भी हमला किया जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। प्रवक्ता ने बताया कि दोनों की मामलों में बंदूकधारी हमलों को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। अभी तक किसी ने भी इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन तालिबान ने इनमें संलिप्तता से इनकार किया है। परवान प्रांतीय सरकार की प्रवक्ता वहीदा शाहकर ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने इसे ''मानवता के खिलाफ अपराध'' बताया।